1000 Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१००० रु.   Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हजार रुपये   ONE THOUSAND RUPEES

हम कि मुरलीधर चौधरी पुत्र बेचई
चौधरी निवासी ग्राम नरायनदेवा पो. मोहरीपुर टप्पा
कस्बा परगना हवेली तहसील सदर जिला
गोरखपुर का हूँ।

मुरलीधर चौधरी

[illegible]

૨૩૪૦ ૨૦ ૧૦૦ ૨૩૬૦

૬/
[illegible]
117050

16/2/2001

16/2/2001

[illegible]

हूँ इस मुल्क अराजी नम्बरी मौजे वाका

मौजा नरायनां तप्पा कोसा परगना हवेली तहसील

सदर जिला गोरखपुर का मालिक काबिज

काबिज दखील तथा मुख्तार हूँ इस

मुल्क को हर तौर का हक इन्तकाल

बाज़ाब्ता हासिल है इस मुल्क को

मुरलीधर चौधरी

1000Rs.

नीज करते रोजगार व करते मकान मलकान

के लोगों की आमद जरूरत दरपेश है

जो बेहतर बेचे आराजी नम्बरी मौजा

के तरफ का मिलना व कोई मंजूर

का पैदा होना और मुश्किल व दुश्वार

है लेहाजा हम मुकिर अपना आराजी

मुरलीधर चौधरी

नम्बरी जैल के व खुशी व आजादी व
दुरुस्ती होश व हवास बिला जब्र व
दबाव दीगरे अव्वल अपने खुब सोच
समझ कर व कीमत मुबलिग 82500)
ब्यासी हजार पाँच सौ कि जिसका आधा
मुबलिग 41250) इकतालिस हजार
दो सौ पचास रुपया होता है
मुरलीधर चौधरी

(४) 1000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१000रु. Rs 1000

भारत

एक हजार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

बदस्ता व बेहक गोविन्द मिल्स लिमिटेड

विरुद्ध इन्डस्ट्रियल स्टेट गोरखपुर और के

श्री चन्द्र प्रकाश अग्रवाल पुत्र स्व0 गोविन्द
प्रसाद अग्रवाल प्रबन्ध निदेशक के दोनों

बैंका व बंधक लिखा और इस

मुकिर आज की तारीख से अपना कब्जा

दखल उठा कर मुस्तारी मजकूर को
मुरलीधर चौधरी

INDIA NON JUDICIAL

२000रु. Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हजार रूपये ONE THOUSAND RUPEES

नालिश दाखिल कर दिया और खुद लापता

व लातायल्लुक हो गये मुस्तरी मजकूर

को यकीन दिलाते हैं कि उक्त आराजी

नम्बरी गैर हर तौर के नुक्स

मिल्कियत व मालिकाना हालत से कतई

पाक व साफ है और न बजद कैन

का तर्क कैल इस मुस्तर आराजी

मुरली धर चौधरी

(७) 1000Rs.

नम्बरी गैल लक्का दखल मुस्तरी मजकूरके

शुल मा कुल निकल जावे तो मुस्तरी

मजकूर को हक होगा कि अपना

नुकसान निकाल जर समन मौजूदा

होवे उसको मसरुफ सरकारी जोड़

का हक मुकिर की जात व दिगर

जायदाद से व सबील मुनासिब व

मुसमात जोधाजी

(२) 1000 Rs.

INDIA NON JUDICIAL

२000 रु.

R$ 1000

भारत

एक हज़ार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

मजमून कर लेवें इसमें हक मुकिर का वाजिब

हक मुकिर को कोई उज्र एतराज नहीं

है और न आइन्दा होगा। ——

—चाहिए कि पुत्रों मजकूर व इन्दराज

नाम हक मुकिर नाम अपना करा लेवें

तमाम करा कर आराजी मजकूरी ओर

का पुश्त-दर-पुश्त भोग भुगतकरें

—मुरलीधर (खाँडार)

हैं का जो चाहे सो करें हमें इस मुबलिग का

व साक हम मुकिर को कोई उज्र व एतराज नहीं

है और न आइन्दा होगा।

जर समन मुबलिग ८२५००)

बयासी हजार रुपया नकद हस्ब गवाहान

आज पहले वसूल पा चुके हैं और

अब मुश्तरी मजकूर के जिम्मे कुछ बाकी

नहीं रह जाता है। ————————

गुरलाल पारसाँवाली

कीमत हाल बाजारी मुबलिग ११६०००)

एकलाख सोलह हजार रुपया है जिसपर

स्टाम्प व शुल्क दिया जारहा है। —

अत: हम मुकिर व खुशी व आजादी

व दुरुस्ती होश व हवास बिना जब्र व

दबाव किसी अन्यन अपने हुश होश हवास

मे यह बहदवा का तुनहर पद दस्तावेज

बैनामा रजिस्टरी लिख दिया कि वक्त पर

काम आवे। —

सुलोचना चौधरी

(११) 1000Rs.

तफसील आराजी नम्बरी गौल गाटा मौजा

बरगदवां तप्पा कस्बा पत्तन हवेली त०

सदर जिला गोरखपुर।

आ० नं०		रकबा
१४७	———	०६२ डि०
इन्तेखाबउन्वान		वास्ते डिसमिल के

से आपना हक के
हिस्सा १/६ भाग यानी ०१५ १/२ डि०
साढे पन्द्रह डिसमिल तम्लीक
किया। ————

[illegible]

500 Rs.

INDIA NON JUDICIAL

५०० रु. Rs 500

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच सौ रुपये FIVE HUNDRED RUPEES

दखल चौहद्दी गौर

पूरब – जमीन मुस्तरी मजकूर।

पश्चिम – जमीन मुस्तरी मजकूर।

उत्तर – जमीन मुस्तरी मजकूर।

दक्खिन – जमीन नृपराज-चौधरी।

मुरली धर चौधरी

INDIA NON JUDICIAL

१०० रु. Rs 100

सत्यमेव जयते

भारत

एक सौ रुपये ONE HUNDRED RUPEES

उक्त खसरा नम्बरों में कोई विक्रेता व क्रेता

अनुसूचित जाति के सदस्य नहीं है

तथा उक्त भूमि कृषि योग्य भूमि है।

मुरलीधर चौधरी

(१५) 100Rs.

नोट:- पृष्ठ ३ के लाइन ५ में "मुताबिक" शब्द बढ़ाई

गु/ रामाधार चौधरी

गवाह
शशि भूषण चौधरी
S/O श्री० रतन चौधरी
बरगदवा,
पोस्ट - मोहरीपुर
गोरखपुर

गवाह डा० के०के० श्रीवास्तव
पी० डी०, एन० ओ० जी०
अलीनगर उत्तरी
गोरखपुर

लेखक

सुभाष चन्द्र राव
एडवोकेट
दि० 16-2-2001

[illegible]

16-2-2021

3804

666